मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 67
मंगलवार, 15 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'राजस्थान निकाय चुनाव में सच्चाई के सामने कांग्रेस की 'झूठ की गूंज' बेअसर', भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4171 वार्डों पर जीतकर बीजेपी आगे, कांग्रेस 3597 सीटों पर सिमटी

जयपुर, 13 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह कांग्रेस के "झूठ की गूंज" और उसके प्रचार के बावजूद "शानदार जीत" की ओर बढ़ रही है। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कोटा में पार्टी के प्रदर्शन का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। कोटा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी का छात्र-केंद्रित कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' आयोजित किया था।

चुनाव परिणामों से पता चलता है कि कांग्रेस के दावों में "जमीनी हकीकत कम और दुष्प्रचार अधिक" था। राजस्थान में सत्तारूढ़ भाजपा ने सोमवार को शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। कम से कम 10,200 वार्ड के परिणाम घोषित होने तक भाजपा ने 4,171 से अधिक वार्ड में जीत दर्ज कर ली है, जबकि विपक्षी कांग्रेस ने 3,597 वार्ड में जीत हासिल की है। भाजपा ने 80 सदस्यीय उदयपुर नगर निगम में 53 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया।

वहीं, 70 सदस्यीय भीलवाड़ा नगर निगम में उसने 45 वार्ड और 100 सदस्यीय कोटा नगर निगम में 53 वार्ड जीते। कांग्रेस ने बीकानेर में

जीत दर्ज की और अजमेर तथा पाली में आगे चल रही है, जबकि जयपुर और अलवर में भाजपा ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। त्रिवेदी ने दावा किया कि राजस्थान में 309 निकायों के लिए चुनाव हुए हैं और भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर लगभग सभी नगर निगमों में जीत हासिल करने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि इनमें 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद और 252 नगर पालिकाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा, "फिलहाल 10 में से केवल एक नगर निगम में कांग्रेस आगे है, जबकि बाकी सभी नगर निगमों में भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने की स्थिति में है।"

उन्होंने दावा किया कि जयपुर, जोधपुर और कोटा में भाजपा के प्रदर्शन से पता चलता है कि राजस्थान की जनता ने नगर निगमों के विभाजन की नीति को "पूरी तरह खारिज" कर दिया है।

उन्होंने कहा, "यह एक बार फिर दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और राजस्थान की जनता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को भी सकारात्मक समर्थन दिया है।'त्रिवेदी ने कोटा में भाजपा के प्रदर्शन का विशेष रूप से उल्लेख किया।

कर्नाटक में गंभीर सूखा, 200 से ज्यादा तालुका प्रभावित होने पर बोले सीएम डीके शिवकुमार

कर्नाटक, 13 सितम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य गंभीर सूखे की स्थिति का सामना कर रहा है और 200 से ज्यादा तालुका इससे प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि सूखे से प्रभावित तालुकाओं को केंद्र के नियमों के अनुसार घोषित किया जाएगा। कनकपुरा में अपने आवास पर बोलते हुए शिवकुमार ने कहा कि कई इलाकों में फसलें बर्बाद हो गई हैं, भूजल स्तर गिर गया है और कई जगहों पर बुआई नहीं हो पाई है। शिवकुमार ने कहा इस बार हम गंभीर सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं; 200 से ज्यादा तालुका सूखे से प्रभावित हैं। सूखे से प्रभावित तालुकाओं को केंद्र के नियमों के अनुसार घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर फसलें बर्बाद हो गई हैं और भूजल का स्तर गिर गया है। कई जगहों पर

बुआई नहीं हो पाई। आने वाले दिनों में पीने के पानी और बिजली की कमी और बढ़ने की आशंका है।

शिवकुमार ने बताया कि राज्य में बिजली की मांग काफी बढ़ गई है और सरकार को महंगी दरों पर बिजली खरीदनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ़्ते 19,000 मेगावाट से ज्यादा बिजली की मांग थी। 11-12 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदना मजबूरी थी। रात के समय बिजली की खपत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मंत्रियों को बिजली की उपलब्धता के बारे में पड़ोसी राज्यों से बातचीत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा, कई कंपनियाँ हमारे राज्य में निवेश करने आ रही हैं और उन्होंने बिजली, पानी और जमीन की मांग की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने गौरी और गणेश त्योहारों के मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि सरकार सूखे की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से और सरकार की ओर से कर्नाटक के लोगों को गौरी और गणेश त्योहार की हार्दिक बधाई देता हूँ। मैंने कई जगहों का दौरा किया है और सूखे की स्थिति का जायजा लिया है। पहले ही 102 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया जा चुका है और बाकी जगहों पर सर्वे चल रहा है। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है।

लाल सागर में हूतियों ने हनीश द्वीपों पर भी किया कब्जा, सऊदी तेल पर मंडराया बड़ा खतरा

यमन, 13 सितम्बर। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी लाल सागर में रणनीतिक रूप से अहम कुछ और द्वीपों पर कब्जा कर लिया है जिससे इस प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग पर उनकी पकड़ और मजबूत हो गई है। यमन सरकार एवं हूती अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'ग्रेटर हनीश' और 'लेसर हनीश' द्वीपों पर यह कब्जा ऐसे समय हुआ है जब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास हूतियों के तेजी से आगे बढ़ने के बाद, सऊदी अरब समर्थित सरकारी बल सप्ताहांत में फिर से संगठित होकर जवाबी कार्रवाई की कोशिश कर रहे थे। बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक समुद्री मार्ग है। हूतियों द्वारा और द्वीपों पर कब्जा किए जाने

से सऊदी अरब के कच्चे तेल की खेप को निशाना बनाने की विद्रोहियों की क्षमता और बढ़ गई है।

सऊदी अरब होर्मुज जलडमरूमध्य की जगह लाल सागर के रास्ते कच्चा तेल भेज रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान जहाजों पर हमले कर रहा है। सऊदी अरब के तेल बुनियादी ढांचे और लाल सागर में उसके जहाजों पर हूती हमलों के कारण, वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इससे अमेरिका के साथ युद्ध में ईरान को बढ़त मिल सकती है। दो सरकारी अधिकारियों और एक हूती अधिकारी के अनुसार, सरकार समर्थक सैकड़ों सैनिकों के द्वीपसमूह से हटने के बाद विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 160 किलोमीटर उत्तर में स्थित हनीश द्वीपों पर अपने लड़ाकों को तैनात कर दिया।

महिला एशिया कप में भारत का दबदबा: आठवीं बार जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को हराया; टूनार्मेंट में रहे अजेय

दुबई, 13 सितम्बर। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय टीम पूरे टूनार्मेंट में अजेय रही और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़े। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह श्रीलंका से पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया है।

भारतीय महिला टीम का एशिया कप में दबदबा बरकरार है। भारतीय

टीम वनडे हो या टी20 इस टूनार्मेंट के हर प्रारूप में हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। भारत ने सर्वाधिक आठ बार खिताब अपने नाम किया है। भारत ने 2004, 2005, 2006, 2008 में वनडे प्रारूप और 2012, 2016, 2022 और 2026 में टी20 प्रारूप में एशिया कप अपने नाम किया है। उसे 2018 और 2024 में फाइनल में हार मिली थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गौड़ ने इमिशा दुलानी को बोल्ड कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। दुलानी चार रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद कप्तान चामरी अट्टापट्टू और विश्मी गुणारत्ने ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को दीप्ति ने अट्टापट्टू को आउट कर तोड़ा। चामरी 32 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को फिर लगातार झटके दिए और मैच में टीम की वापसी कराई। दीप्ति ने विश्मा को बोल्ड कर श्रीलंका को तीसरा झटका दिया जो 22 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुईं। फिर श्री चरणी ने अपनी ही गेंद पर हर्षिता समरविक्रमा को आउट किया। हर्षिता नौ रन बनाकर आउट हुईं। श्री चरणी ने इसके बाद कविषा दिलहारी (7) और नीलाक्षी सिल्वा को अपना शिकार बनाया। नीलाक्षी 22 रन बनाकर आउट हुईं। श्रीलंका को फिर हसिनी परेरा (1) के रूप में सातवां झटका लगा। सुगंदिका कुमारी ने एक रन बनाए। भारत के लिए श्री चरणी ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा को तीन विकेट मिले। क्रांति गौड़, शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने मजबूत शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी हुई।

शेफाली वर्मा ने इस दौरान टी20 करियर का 21वां अर्धशतक जड़ा। इस साझेदारी को चामुदी प्रबोदा ने शेफाली को आउट कर तोड़ा। शेफाली 39 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 68 रन बनाकर आउट हुईं।

हिंदी दिवस पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पहल, 'जन सूचना सेवा' के जरिए हिंदी में मिलेंगे कोर्ट के फैसले

नई दिल्ली। हिंदी दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'जन सूचना सेवा' नाम से हिंदी में एक पब्लिक इन्फॉर्मेशन सर्विस शुरू करने का एलान किया है। इसका मकसद न्याय तक पहुंच को आसान बनाना है। इस सेवा के तहत, चुने हुए अहम फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी भाषा और लगभग 15 से 30 मिनट के हिंदी ऑडियो और वीडियो बुलेटिन उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल आम नागरिकों, मुकदमेबाजी करने वालों और खासकर दिव्यांग लोगों की सुविधा के लिए शुरू की जा रही है, जिससे वे अहम फैसलों, उनके असर और उसके बाद की कार्यवाही को अपनी जानी-पहचानी भाषा में आसानी से समझ सकें। इसका मकसद न्याय तक पहुंच को और समावेशी बनाना और भारतीय भाषाओं के सम्मान को जनता तक न्यायिक जानकारी पहुंचाने से जोड़ना है।

आसान भाषा के साथ-साथ ऑडियो और वीडियो फॉर्मेट का इस्तेमाल उन लोगों के लिए भी फायदेमंद होगा जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में मुश्किल होती है। यह सर्विस शुरू में हिंदी में लॉन्च की जाएगी और जल्द ही इसे दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने का काम शुरू किया जाएगा। बयान में कहा गया, 'यह पहल देश के अलग-अलग भाषाई क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी भाषाओं में सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसलों के बारे में संक्षिप्त और आसानी से समझ में आने वाली जानकारी हासिल करने में मदद करेगी।

अमित शाह ने पहले किए लालबागचा राजा के दर्शन, फिर फडणवीस-शिंदे संग की मीटिंग

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुंबई दौरे पर पहुंचे हैं. उन्होंने परिवार के साथ अलग-अलग जगहों पर गणेशोत्सव में हिस्सा लिया. वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर गए, जहां श्री गणेश जी का दर्शन-पूजन किया. इसके बाद अमित शाह ने परिवार के साथ प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन किए.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सरकारी आवास 'वर्षा' पर गृह मंत्री अमित शाह के आगमन पर स्वागत किया. उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी थे. इसके बाद अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर स्थापित गणपति बप्पा की पूजा अर्चना की. मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे नेता केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और इनके परिवारजनों ने गणेशोत्सव के अवसर पर मुंबई स्थित मेरे सरकारी आवास वर्षा पर भेंट दी, इस दौरान उनका हार्दिक स्वागत किया. इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल गए, जहां श्री गणेश के दर्शन किए. मंडल की ओर से उनका स्वागत शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया. अमित शाह ने अपने बेटे जय शाह और परिवार के बाकी सदस्यों के साथ लालबागचा राजा मंडल में भगवान गणेश का दर्शन-पूजन किया. इस मौके पर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत महाराष्ट्र सरकार के अन्य मंत्री मौजूद रहे. केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, गणेशोत्सव के दौरान मुंबई के लालबागचा राजा के दर्शन और पूजन की उत्सुकता साल भर मेरे जैसे हर भक्त के मन में बनी रहती है.

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस, 15 सितंबर 2026

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

-ललित गर्ग

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्लमानवाधिकारों को केंद्र में लाएंह्व को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- ह्लमेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।ह्व गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरूआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच। जब तकनीक मानवीय करुणा से जुड़ेगी, सत्ता नैतिकता से बंधेगी और जनता अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होगी, तभी लोकतंत्र अपने आदर्श रूप को प्राप्त कर सकेगा। लोकतंत्र की असली विजय तब होगी, जब सबसे शक्तिशाली नागरिक और सबसे कमजोर नागरिक-दोनों को न्याय, सम्मान, अवसर और अपनी आवाज की समान कीमत महसूस हो। यही लोकतंत्र का सार है और यही उसके भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी भी।

कूटनीतिक संकीर्णता का शिकार ढाकाः ब्रिक्स महामंच की सफलता और बांग्लादेश के आत्मघाती कदम

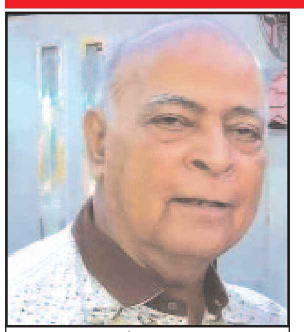

अशोक भाटिया

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 की ऐतिहासिक सफलता ने वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ दक्षिण एशिया में भारत की केंद्रीय भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया है। जहां एक ओर दुनिया की महाशक्तियां और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं भारत की कूटनीतिक साख को स्वीकार कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश के राजनीतिक गलियारों से आ रही प्रतिक्रियाएं हैरान करने वाली हैं। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान का इस वैश्विक महामंच से दूरी बनाना और उसके बाद ढाका के नीति-निर्माताओं द्वारा दिए जा रहे तीखे बयान यह साफ दशार्ते हैं कि देश वर्तमान में घरेलू राजनीति के तुष्टीकरण और कूटनीतिक अदूरदर्शिता के जाल में फंस चुका है। भारत की बढ़ती वैश्विक साख के बीच बांग्लादेश का यह रुख न केवल उसके अपने आर्थिक हितों के खिलाफ है, बल्कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय स्थिरता के लिहाज से भी एक आत्मघाती कदम है।

इस पूरे विवाद की जड़ें किसी गंभीर भू-राजनीतिक संकट में नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रोटोकॉल को लेकर पैदा की गई एक कृत्रिम और अनावश्यक नाराजगी में छिपी हैं। भारत ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 'बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष' के रूप में गरिमामय आमंत्रण भेजा था। कूटनीतिक शिष्टाचार के तहत यह एक बेहद महत्वपूर्ण सम्मान था, क्योंकि इसके जरिए पूरे बिम्सटेक क्षेत्र की आवाज को उठाने का जिम्मा बांग्लादेश के हाथों में सौंपा जा रहा था। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली ने तारिक रहमान को एक स्वतंत्र द्विपक्षीय भारत यात्रा का न्योता भी अलग से दिया था ताकि दोनों देशों के आपसी मुद्दों पर खुलकर चर्चा हो सके। इसके बावजूद, ढाका ने इसे एक अहंकार का मुद्दा बनाया और यह तर्क देते हुए सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया कि उन्हें स्वतंत्र रूप से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के तौर पर आमंत्रित नहीं किया गया।

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर का यह बयान कि ₹हम हर समय नाश्ते, लंच और डिनर के दौरान सिर्फ भारत के बारे में ही नहीं सोच सकते, हमें इससे आगे निकलना होगा,₹ उनकी प्रशासनिक परिपक्वता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक जिम्मेदार राष्ट्र के कूटनीतिक प्रतिनिधि की ओर से ऐसी सतही और आक्रामक भाषा का उपयोग यह दिखाता है कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार भारत विरोध की भावना को अपनी विदेश नीति का मुख्य आधार बनाने की कोशिश कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का स्पष्ट मानना है कि महज एक प्रोटोकॉल विवाद के कारण ब्रिक्स जैसे शक्तिशाली मंच से दूरी बनाकर बांग्लादेश ने एक बहुत बड़ा कूटनीतिक और आर्थिक अवसर गंवा दिया है। आज के दौर में ब्रिक्स केवल कुछ देशों का समूह नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाला महामंच बन चुका है। बांग्लादेश जैसे विकासशील और आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे देश के लिए ब्रिक्स न्यू डेवलपमेंट बैंक से रियायती दरों पर कर्ज हासिल करने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने का यह एक स्वर्णिम अवसर था, जिसे ढाका ने अपनी राजनीतिक सनक की भेंट चढ़ा दिया।

बांग्लादेश की यह कूटनीतिक छटपटाहट सिर्फ ब्रिक्स सम्मेलन के बहिष्कार तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर अब दोनों देशों

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मार्गदर्शन

के द्विपक्षीय और व्यापारिक संबंधों पर भी पड़ता दिख रहा है। बांग्लादेश की संसद में हाल ही में हुई बहस के दौरान भारत के साथ रिश्तों को लेकर जो तल्खी देखी गई, वह बेहद चिंताजनक है। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (इठढ) के मुख्य व्हिप नूरुल इस्लाम मोनी ने संसद में आधिकारिक तौर पर एलान किया कि उनकी सरकार भारत के साथ पूर्ववर्ती शेख हसीना सरकार के दौरान हुए सभी 101 समझौतों और सहमति पत्र की समीक्षा कर रही है। इस बहस के दौरान बांग्लादेशी सांसदों ने भारत पर 'असममित संधियों' का आरोप लगाया। यह पूरी बहस तथ्यों पर आधारित होने के बजाय राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित नजर आई, जिसका एकमात्र उद्देश्य बांग्लादेश की जनता का ध्यान वहां के आंतरिक आर्थिक संकट, कानून-व्यवस्था की बदहाली और चरमराती बैंकिंग व्यवस्था से भटकाना है।

यदि हम भारत-बांग्लादेश व्यापार के वास्तविक आंकड़ों और कूटनीतिक धरातल पर नजर डालें, तो बांग्लादेश का यह रुख आर्थिक रूप से पूरी तरह तर्कहीन दिखाई देता है। भारत वर्तमान में एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा और वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 13 से 14 अरब डॉलर का है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बांग्लादेश अपनी कपड़ा मिलों के लिए आवश्यक कच्चे माल, जैसे कपास, सूत और मशीनरी के लिए बहुत बड़े पैमाने पर भारत पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त, बांग्लादेश अपनी खाद्य सुरक्षा के लिए भारतीय चावल, प्याज, दालों और गेहूं के आयात पर आश्रित है। यदि ढाका इन 101 समझौतों की समीक्षा के नाम पर व्यापारिक अड़चनें पैदा करता है, तो इसका सीधा असर बांग्लादेश के घरेलू बाजारों पर पड़ेगा और वहां महंगाई का एक नया दौर शुरू हो सकता है, जिसे संभालना मौजूदा सरकार के लिए असंभव हो जाएगा।

संसद में हुई बहस में जिन समझौतों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया गया, वे दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी और परिवहन गलियारों से जुड़े हैं। पूर्ववर्ती समझौतों के तहत भारत को बांग्लादेश के चट्टोग्राम (चटगांव) और मोंगला बंदरगाहों के इस्तेमाल की अनुमति मिली थी, जिससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों तक माल पहुंचाना आसान और सस्ता हो गया था। इसके बदले में बांग्लादेश को पारगमन शुल्क के रूप में एक बड़ी आर्थिक मदद मिल रही थी। इसके अलावा, भारत ने बांग्लादेश को अपने क्षेत्र से होते हुए नेपाल और भूटान के साथ व्यापार करने के लिए 'विद्युत ग्रिड साझाकरण' और पारगमन की सुविधा दी है। संसद में इन समझौतों को 'संप्रभुता पर हमला' बताना ढाका की संकीर्ण सोच को दशार्ता है। आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में कनेक्टिविटी कोई गुलामी नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का जरिया है। यूरोप और आसियान देश इसके बेहतरीन उदाहरण हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भी बांग्लादेश का भारत-विरोध उसके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। वर्तमान में भारत, बांग्लादेश को लगभग 1160 मेगावाट बिजली की आपूर्ति कर रहा है। इसके साथ ही, भारत-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन (क्वत्रद्धछ) के जरिए भारत के नुमालीगढ़ रिफाइनरी से बांग्लादेश के दिनाजपुर तक बेहद कम लागत पर डीजल भेजा जा रहा है। बांग्लादेश इस समय खुद गंभीर विदेशी मुद्रा संकट और बिजली कटौती से जूझ रहा है। ऐसी स्थिति में भारत के साथ ऊर्जा समझौतों की समीक्षा करने या उनमें कड़वाहट पैदा करने का सीधा मतलब है कि बांग्लादेश अपने उद्योगों को ठप करने और अपनी जनता को अंधेरे में धकेलने की तैयारी कर रहा है। कूटनीतिक समझौतों को रद्द करना आसान होता है, लेकिन उनके विकल्प रातों-रात तैयार नहीं किए जा सकते। भारत के दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नई दिल्ली ने हमेशा अपनी 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) की नीति का ईमानदारी से पालन किया है। भारत ने बांग्लादेश की संप्रभुता का सदैव सम्मान किया है और 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर आज तक उसके विकास में एक सच्चे मित्र की भूमिका निभाई है। भारत द्वारा दी गई रियायती ऋण रेखा के तहत बांग्लादेश में दर्जनों बुनियादी ढांचा परियोजनाएं चल रही हैं। लेकिन यदि ढाका की मौजूदा हुकूमत इस सद्भावना को भारत की मजबूरी समझने की भूल कर रही है, या चीन के भू-राजनीतिक प्रभाव में आकर भारत को आंख दिखाने की कोशिश कर रही है, तो यह उसकी बहुत बड़ी रणनीतिक भूल साबित होगी। भौगोलिक रूप से तीन तरफ से भारतीय सीमाओं से घिरे होने के कारण बांग्लादेश के लिए भारत से विमुख होकर शांतिपूर्ण प्रगति करना व्यावहारिक रूप से असंभव है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बांग्लादेश अपनी इस कूटनीतिक शून्यता को भरने के लिए उन ताकतों की ओर देख रहा है, जो कर्ज के जाल में फंसाने के लिए कुख्यात हैं। दक्षिण एशिया में श्रीलंका और पाकिस्तान का हश्र पूरी दुनिया के सामने है। भारत विरोध की राजनीति में अंधा होकर ढाका खुद को एक ऐसे चक्रव्यूह में धकेल रहा है, जहां से निकलना उसके लिए भविष्य में कठिन हो जाएगा। ब्रिक्स की अभूतपूर्व सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारत को वैश्विक मंचों पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और न ही भारत विरोधी कूटनीति से कोई देश अपना भला कर सकता है। समय रहते यदि बांग्लादेश की सरकार ने अपनी इस आत्मघाती विदेश नीति और संसद में जारी गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी पर लगाम नहीं लगाई, तो वह वैश्विक मंच पर पूरी तरह अलग-थलग पड़ जाएगा। कूटनीति भावनाओं, नारों या घरेलू राजनीति के तुष्टीकरण से नहीं, बल्कि ठंडे दिमाग से सोचे गए राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक दूरदर्शिता से संचालित होती है—और वर्तमान में बांग्लादेश इसी दूरदर्शिता के गंभीर अभाव से जूझ रहा है।

बसपा में उथल-पुथल, आकाश आनंद और दलित वोटरों पर सबकी नजर

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के भीतर मचे घमासान से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि आखिर पार्टी का परंपरागत दलित वोट बैंक अब किस दिशा में जाएगा। मायावती ने 3 सितंबर 2026 को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटाया था, और महज एक हफ्ते बाद 10 सितंबर को उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी पूरी तरह मुक्त कर दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने भी इसी दौरान सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे बसपा के भीतर पारिवारिक विवाद खुलकर सामने आ गया। हाल ही में लखनऊ में मीडिया से बातचीत में मायावती ने अपनी सेहत को लेकर उड़ी अफवाहों और आकाश आनंद के एक फोन कॉल का जिक्र करते हुए कड़ी नाराजगी भी जताई। इस पूरे प्रकरण ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा की संगठनात्मक स्थिति को कमजोर कर दिया है, और यही कमजोरी अब दूसरे दलों के लिए मौका बन गई है। मायावती के फैसले के फौरन बाद नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद के लिए अपनी पार्टी का दरवाजा खोल दिया। चंद्रशेखर ने आकाश को छोटा भाई बताते हुए कहा कि दोनों मिलकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ा सकते हैं। अब मुरादाबाद पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के प्रमुख रामदास आठवले ने भी यही कोशिश दोहराई है। उन्होंने कार्यकताओं से यूपी में बसपा से अपना हक वापस लेने का आह्वान किया और याद दिलाया कि सत्तर के दशक में जो चुनाव चिह्न आरपीआई के पास था, वही अब बसपा इस्तेमाल कर रही है। आठवले ने साफ कहा कि अगर आकाश आनंद बाबा साहेब के मिशन को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें आरपीआई से जुड़ना चाहिए, इससे यूपी में संगठन मजबूत होगा। इससे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी एक पत्रकार के सवाल पर कह चुके हैं कि अगर कोई पत्रकार आकाश आनंद को उनके पास लेकर आए तो वे उन्हें सपा में शामिल कर लेंगे।

इन तीनों दलों की दिलचस्पी में एक साझा गणित छिपा है। आकाश आनंद भले ही संगठनात्मक तौर पर अभी अनुभवहीन माने जाते रहे हों, लेकिन बसपा के युवा और शहरी दलित समर्थकों में, खासकर सोशल मीडिया पर, उनकी पकड़ काफी मजबूत रही है। मायावती लंबे समय से खुद को बाबा साहेब के मिशन और कांशीराम की विरासत का इकलौता वाहक बताती रही हैं, और आकाश को उन्होंने ही इस विरासत का अगला चेहरा बनाकर पेश किया था। ऐसे में अगर आकाश किसी और दल से जुड़ते हैं तो वे उस दल को बसपा की वैचारिक विरासत और उसके जनाधार, दोनों से जोड़ने वाली एक कड़ी बन सकते हैं। यही वजह है कि चंद्रशेखर आजाद और रामदास आठवले जैसे नेता, जो खुद अंबेडकरवादी राजनीति की जमीन पर खड़े हैं, आकाश को अपने पाले में लाकर बसपा के कमजोर पड़ते जनाधार का सीधा फायदा उठाना चाहते हैं।बसपा का दलित वोट बैंक, खासकर जाटव समुदाय के बीच, उत्तर प्रदेश की सियासत में दशकों से एक निर्णायक ताकत रहा है। यह वोट बैंक भले ही पिछले कुछ चुनावों में सिकुड़ता दिखा हो, फिर भी यह इतना बड़ा जरूर है कि जिस भी गठबंधन या दल के साथ यह जुड़ जाए, चुनावी नतीजों की दिशा बदल सकता है। मौजूदा उथल-पुथल के बीच कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है और आरोप लगाया है कि मायावती खुद अपनी पार्टी को कमजोर करने पर तुली हैं, जबकि सपा प्रवक्ताओं की ओर से भी बसपा पर परोक्ष रूप से भाजपा की नीतियों का साथ देने के आरोप लगाए गए हैं। यानी विपक्षी खेमे के लगभग सभी बड़े दल इस मौके को बसपा के परंपरागत मतदाताओं में सेंध लगाने के अवसर के तौर पर देख रहे हैं। दरअसल हर दल की रणनीति अलग है। चंद्रशेखर आजाद खुद दलित राजनीति की जमीन पर खड़े हैं और सीधे तौर पर बसपा के वोट बैंक के प्रतिद्वंद्वी दावेदार हैं, इसलिए उनके लिए आकाश आनंद जैसा चेहरा मिलना वैचारिक तालमेल के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार का भी मौका है। रामदास आठवले और आरपीआई के लिए यह मौका उत्तर प्रदेश में लगभग खत्म हो चुकी अपनी राजनीतिक जमीन को फिर से खड़ा करने का है, भले ही आरपीआई फिलहाल एनडीए का हिस्सा है। वहीं सपा और कांग्रेस के लिए यह मौका अपने मौजूदा सामाजिक समीकरण, यानी पिछड़ा-मुस्लिम या सामान्य-दलित गठजोड़ में दलित वोटों की और ज्यादा हिस्सेदारी जोड़ने का है।

दलितों के सामने कौन सा विकल्प, यह अभी तय नहीं

यह कहना जल्दबाजी होगी कि अगर बसपा कमजोर होती है तो उसका दलित वोट बैंक स्वाभाविक रूप से किसी एक दल की तरफ खिसक जाएगा। राजनीतिक विश्लेषक इसे अलग-अलग नजरिए से देखते हैं। एक तबके का मानना है कि कांग्रेस के पास राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय और आरक्षण जैसे मुद्दों पर मुखर रुख और राहुल गांधी की सक्रियता के चलते दलित मतदाताओं को लुभाने की गुंजाइश है, लेकिन राज्य में संगठन की कमजोरी उसकी सबसे बड़ी बाधा है। दूसरी तरफ सपा के पास यूपी में पहले से मजबूत जमीनी ढांचा और पिछड़ा-मुस्लिम आधार मौजूद है, जिसमें दलित वोटों को जोड़ने से एक बड़ा सामाजिक गठजोड़ बन सकता है, हालांकि गैर-जाटव दलितों में सपा को लेकर कुछ हिचक भी देखी जाती रही है। भाजपा की रणनीति अलग रही है; उसने पिछले कुछ चुनाव चक्रों में गैर-जाटव दलित उपजातियों में सेंध लगाकर और सरकारी योजनाओं के जरिए एक हिस्सा अपने पक्ष में किया है, लेकिन जाटव मतदाताओं में उसकी पैठ अब भी सीमित मानी जाती है।कुल मिलाकर बसपा का जनाधार बिखरा तो जरूर रहा है, पर यह एकतरफा किसी एक दल की झोली में जाने के बजाय कई दलों में बंटने की संभावना ज्यादा है। यही अनिश्चितता है जिसके चलते चंद्रशेखर आजाद से लेकर रामदास आठवले और अखिलेश यादव तक, हर कोई आकाश आनंद जैसे प्रतीकात्मक चेहरे को अपने साथ जोड़कर इस बिखरते जनाधार पर सबसे पहला दावा ठोकना चाहता है। 2027 के विधानसभा चुनाव तक यह तय होगा कि बाबा साहेब के नाम पर बंटी यह राजनीतिक लड़ाई आखिरकार किस दल को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाती है।

पत्थर, लकड़ी और मिट्टी में सांस लेती दक्षिण की सभ्यता...!

-सुरेश गांधी

तमिलनाडु को केवल मंदिरों, समुद्र और भव्य गोपुरमों के प्रदेश के रूप में देखना उसकी आत्मा को आधा देखना है। इस प्रदेश की असली खूबसूरती उसके उन घरों, आंगनों, शिल्पों, वस्त्रों, लोककलाओं और जीवन-पद्धति में छिपी है, जो सदियों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। चेंगलपट्टू के मुत्तुकाडु स्थित दक्षिणा चित्रा पहुंचकर यही अनुभूति हुई। लगा जैसे आधुनिक समय की तेज रफ्तार अचानक थम गई हो और सामने भारत का वह दक्षिण खड़ा हो गया हो, जिसकी सांसों में मिट्टी की खुशबू, लकड़ी की गर्माहट और परंपरा की धड़कन आज भी कायम है। दक्षिणा चित्रा में प्रवेश करते ही यह एहसास होने लगता है कि यह कोई साधारण संग्रहालय नहीं। यहां इतिहास कांच के शोकेस में बंद नहीं है। वह घरों के बरामदों में बैठा है, दरवाजों की नक्काशी में मुस्करा रहा है, आंगन की मिट्टी में अपनी छाप छोड़ रहा है और शिल्पकारों के हाथों में फिर से आकार ले रहा है। यह अतीत को देखने की नहीं, अतीत के बीच चलने की जगह है।

पुराने घरों में लौटता हुआ एक पूरा जीवन

दक्षिणा चित्रा की सबसे बड़ी खूबसूरती यहां संरक्षित पारंपरिक घर हैं। दक्षिण भारत के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े पुराने घरों को यहां उनके मूल स्थापत्य स्वरूप के साथ पुनर्स्थापित किया गया है। इन घरों को देखते हुए सबसे पहले उनकी बनावट ध्यान खींचती है—लकड़ी के दरवाजे, नक्काशीदार खंभे, खुले बरामदे, आंगन और हवा-रोशनी के लिए बनाई गई पारंपरिक संरचना। आज जब घरों की पहचान ऊंची इमारतों और आधुनिक डिजाइन से होने लगी है, तब ये पुराने घर बताते हैं कि वास्तुकला कभी केवल सुंदरता का विषय नहीं थी। वह जीवन की जरूरतों, मौसम, प्रकृति और सामाजिक संबंधों से जुड़ी हुई थी। इन घरों में प्रवेश करते ही ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने परिवार का दरवाजा खुल गया हो। बरामदे में अभी-अभी कोई बैठकर उठा हो, रसोई में चूल्हा बुझा हो और आंगन में बच्चों की आवाजें अभी भी हवा में तैर रही हों।

मिट्टी, लकड़ी और धागे में बसती संस्कृति

तमिलनाडु की संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा उसके हस्तशिल्प में दिखाई देता है। दक्षिणा चित्रा में शिल्प केवल प्रदर्शित वस्तु नहीं, बल्कि जीवंत प्रक्रिया के रूप में सामने आता है। कारीगर अपने हाथों से मिट्टी, लकड़ी, धातु और धागे को आकार देते दिखाई देते हैं। एक सामान्य-सा मिट्टी का टुकड़ा जब कुम्हार के हाथों में पहुंचता है तो वह पात्र बन जाता है। लकड़ी का साधारण टुकड़ा कलाकार की छेनी से गुजरकर दरवाजे, खिलौने या सजावटी वस्तु का रूप ले लेता है। धागे रंगों के साथ मिलकर वस्त्र में बदल जाते हैं। इन शिल्पों को देखकर महसूस होता है कि मशीनें वस्तुएं बना सकती हैं, लेकिन हाथ उनमें कहानी भरते हैं। यही दक्षिणा चित्रा की आत्मा है।

करघे की खनक में सुनाई देती पीढ़ियों की आवाज

दक्षिण भारत की पहचान उसके पारंपरिक वस्त्रों के बिना अधूरी है। यहां वस्त्र केवल पहनावा नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रहे हैं। बुनाई की परंपरा में धैर्य, कौशल और पीढ़ियों का अनुभव शामिल है। करघे पर चलता धागा जैसे समय की सुई हो। एक-एक ताना और बाना मिलकर केवल कपड़ा नहीं बनाता, बल्कि किसी परिवार, किसी समुदाय और किसी क्षेत्र की पहचान को आगे ले जाता है। आज के ह्यफास्ट फैशनह्न के दौर में हाथ से तैयार होने वाले इन वस्त्रों को देखना यह सोचने को मजबूर करता है कि हमने सुविधा के लिए कितनी चीजें तेज कर दीं, लेकिन उस तेजी में हुनर का ठहराव कहीं पीछे छूट गया।

लोककला में धड़कता है जनजीवन

दक्षिणा चित्रा की दुनिया केवल वास्तुकला और शिल्प तक सीमित नहीं। यहां लोक प्रदर्शन कलाओं को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। पारंपरिक प्रस्तुतियां, कठपुतली, लोक संगीत और अन्य कलाएं उस समाज की झलक देती हैं, जहां कला मनोरंजन भर नहीं, बल्कि सामुदायिक जीवन का हिस्सा थी। मंच पर कलाकार आते हैं तो लगता है जैसे इतिहास किताब से निकलकर सामने आ गया हो। उनके हाव-भाव, वेशभूषा और प्रस्तुति में स्थानीय समाज की स्मृतियां दिखाई देती हैं। यहां लोककला देखकर एक बात स्पष्ट होती है—भारत की संस्कृति राजमहलों में जितनी सुरक्षित रही, उससे कहीं अधिक गांवों और आम लोगों के बीच जीवित रही।

दक्षिण भारत की चार सांस्कृतिक धाराएं एक परिसर में

दक्षिणा चित्रा की एक खास विशेषता यह भी है कि यहां दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों की स्थापत्य और जीवनशैली को एक साथ समझने का अवसर मिलता है। तमिलनाडु के साथ केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक झलकियां भी यहां देखने को मिलती हैं। भाषाएं अलग हैं, घरों की बनावट अलग है, वस्त्रों के रंग अलग हैं और लोक परंपराओं के रूप भी अलग-अलग हैं। फिर भी इनके भीतर एक साझा भारतीय आत्मा दिखाई देती है। यही विविधता भारत को भारत बनाती है।

गोपुरम से आगे का तमिलनाडु

तमिलनाडु का नाम आते ही आंखों के सामने विशाल मंदिरों के गोपुरम उभरते हैं। लेकिन दक्षिणा चित्रा यह समझाता है कि तमिल संस्कृति की ऊंचाई केवल मंदिरों की ऊंचाई में नहीं है। वह उस किसान के जीवन में भी है जिसने मिट्टी से रिश्ता बनाए रखा. वह उस बुनकर के हाथ में भी है जिसने धागे में रंग भरे। वह उस कुम्हार की हथेली में भी है जिसने मिट्टी को आकार दिया। वह उस कलाकार की प्रस्तुति में भी है जिसने लोककथा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया।

और वह उन पुराने घरों में भी है, जिनकी दीवारें आज भी बीते समय की गवाही देती हैं। दक्षिणा चित्रा तमिलनाडु को देखने का एक अलग चश्मा देता है—मंदिरों के बाहर का तमिलनाडु।

आधुनिकता के बीच परंपरा की चिंता

आज दुनिया तेजी से बदल रही है। गांवों की जगह शहर ले रहे हैं। पारंपरिक घरों की जगह अपार्टमेंट खड़े हो रहे हैं। हाथ के काम की जगह मशीनें ले रही हैं। लोककलाओं की जगह डिजिटल मनोरंजन पहुंच रहा है। ऐसे समय में दक्षिणा चित्रा की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह सवाल भी उठाता है कि क्या विकास का अर्थ अपनी स्मृतियों को पीछे छोड़ देना है? शायद नहीं। विकास वही सार्थक है जो भविष्य की ओर बढ़ते हुए अतीत की जड़ों को भी संभालकर रखे। दक्षिणा चित्रा इसी संतुलन का एक उदाहरण है।

काशी से तमिलनाडु तक—परंपरा की भाषा एक

काशी से आए किसी व्यक्ति के लिए दक्षिणा चित्रा का अनुभव और भी दिलचस्प हो जाता है। काशी में जैसे गलियों, घाटों, मंदिरों, काष्ठ और पीढ़ियों से चले आ रहे शिल्प में परंपरा सांस लेती है, वैसे ही तमिलनाडु में भी संस्कृति रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देती है।

काशी का अपना रंग है, तमिलनाडु का अपना।

काशी की अपनी बोली है, तमिलनाडु की अपनी।

काशी की अपनी स्थापत्य परंपरा है, दक्षिण की अपनी।

लेकिन दोनों के भीतर एक साझा सूत्र है—परंपरा को बचाकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की बेचैनी।

यही भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक ताकत है।

दक्षिणा चित्रा से लौटते हुए

दक्षिणा चित्रा से बाहर निकलते समय लगा कि आज हमने केवल कुछ पुराने घर, शिल्प और लोककलाएं नहीं देखीं। हमने उस भारत से मुलाकात की, जो आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटता हुआ दिखाई देता है, लेकिन वास्तव में हमारी स्मृति और पहचान में आज भी जीवित है। यहां की मिट्टी, लकड़ी, रंग, वस्त्र और लोकधुनें एक ही संदेश देती हैं—सभ्यता केवल बड़ी इमारतों से नहीं बनती, उसे छोटे-छोटे हाथ पीढ़ियों तक गढ़ते हैं। दक्षिणा चित्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यही है कि वह हमें अतीत में लौटाती नहीं, बल्कि अतीत को समझकर वर्तमान को देखने की दृष्टि देती है। तमिलनाडु की इस धरती पर आज महसूस हुआ कि संस्कृति कोई पुरानी वस्तु नहीं, जिसे संग्रहालय में रखकर भूल जाएं। संस्कृति तो नदी की तरह है—बहती रहे तो जीवित रहती है। और दक्षिणा चित्रा उस बहती हुई सांस्कृतिक नदी का एक ऐसा पड़ाव है, जहां दक्षिण भारत की सदियों पुरानी दास्तान आज भी सांस लेती मिलती है।

CLFMA ऑफ इंडिया की 59वीं AGM और 67वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (CLFMA) ने 11 और 12 सितंबर 2026 को 'द लीला मुंबई' में अपनी 59वीं सालाना आम बैठक (AGM) और 67वीं नेशनल संगोष्ठी (सिम्पोज़ियम) सफलतापूर्वक आयोजित की। 'पशुपालन - टिकाऊ विकास की रीढ़' थीम पर आधारित इस दो-दिवसीय कार्यक्रम में नीति-निमार्ता, इंडस्ट्री के लीडर, रिसर्चर, किसान और इससे जुड़े अन्य लोग एक साथ आए। उन्होंने भारत के पशुपालन सेक्टर के भविष्य को आकार देने वाली प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम की शुरूआत CLFMA ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिव्या कुमार गुलाटी के संबोधन से हुई। उन्होंने पशुपालन के आधार को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया, खासकर बेहतर चारे की सुरक्षा, घरेलू उत्पादन और पूरी वैल्यू चेन में मजबूत सहयोग के जरिए। चर्चा की शुरूआत करते हुए भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग के पूर्व सचिव और रिटायर्ड कअर अधिकारी तरुण श्रीधर ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने आजीविका, पोषण और आर्थिक विकास को मजबूत करने में इस सेक्टर की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस संगोष्ठी में कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (AHD) के सचिव नरेश पाल गंगवार और भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन और डेयरी विभाग में संयुक्त सचिव (NLM) डॉ. मुथुकुमारसामी बी. शामिल थे।

CLFMA ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिव्या कुमार गुलाटी ने कहा कि इस संगोष्ठी ने यह बात और पक्की कर दी है कि पशुपालन का भविष्य उसे सहारा देने वाले इकोसिस्टम की मजबूती पर निर्भर करेगा। जैसे-जैसे मांग बढ़ रही है, हमें घरेलू क्षमताओं को मजबूत करना होगा, वैल्यू चेन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाना होगा और फार्म स्तर पर ज्यादा मजबूती लानी होगी। इसके लिए इंडस्ट्री, सरकार, रिसर्च संस्थानों और किसानों के बीच लगातार तालमेल की जरूरत है, ताकि एक ऐसा सेक्टर बनाया जा सके जो देश की बढ़ती पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ लोगों की आजीविका में भी मदद कर सके। भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग (AHD) के सचिव नरेश पाल गंगवार ने कहा कि बातचीत से यह साफ हो गया है कि पशुधन क्षेत्र में विकास के अगले चरण के लिए पूरी वैल्यू चेन में मजबूत जुड़ाव की जरूरत होगी। किसानों, चारा बनाने वालों, प्रोसेसर्स, बाजारों और नीति-निमार्ताओं–सभी की इसमें भूमिका है, और इनके बीच बेहतर तालमेल से उत्पादकता और कार्यक्षमता में मौजूद कमियों को दूर करने में मदद मिल सकती है।

गणेश विसर्जन के लिए मीरा-भायंदर में यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री गणेश उत्सव के दौरान गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस को सुचारू रूप से संचालित करने तथा संकरे मार्गों पर होने वाली यातायात भीड़, जाम और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के यातायात विभाग ने विशेष यातायात नियंत्रण अधिसूचना जारी की है। पुलिस उपायुक्त, जोन-1, राहुल एल. चव्हाण द्वारा 12 सितंबर 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, गणेश विसर्जन के विभिन्न दिनों में शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात की दिशा बदली जाएगी तथा कुछ मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। अधिसूचना के अनुसार यह व्यवस्था 15 सितंबर (डेढ़ दिन), 16 सितंबर (तीन दिन), 18 सितंबर (पांच दिन), 19 सितंबर (छठा दिन/गौरी विसर्जन), 20 सितंबर (सातवां दिन) और 25 सितंबर (अनंत चतुर्दशी) को लागू रहेगी। प्रत्येक विसर्जन दिवस पर दोपहर 3 बजे से विसर्जन जुलूस समाप्त होने तक यातायात नियंत्रण प्रभावी रहेगा। गोल्डन नेस्ट से जैसल पार्क चौपाटी तक विसर्जन मार्ग गोल्डन नेस्ट से गणपति विसर्जन के लिए जाने वाले वाहनों को नवघर फाटक (महाराणा प्रताप चौक) तक ले जाया जाएगा। बड़े वाहन नवघर फाटक से दाएं मुड़कर घोडदेव नाका, बी.पी. रोड होते हुए जैसल पार्क चौपाटी की ओर जाएंगे। वहीं छोटे हाथी, छोटे टेम्पो, ऑटो रिक्शा, कार और पिकअप जैसे छोटे वाहनों को फाटक रोड चौपाटी, केबिन रोड और भायंदर पूर्व रेलवे स्टेशन के मार्ग से विसर्जन स्थल तक जाने की अनुमति होगी।

गोल्डन नेस्ट से घोडदेव चेकपॉइंट, खारिगांव चेकपॉइंट और जैसल पार्क चौपाटी की दिशा में निर्धारित मार्गों पर यातायात एकतरफा रखा जाएगा। घोड्डेव नाका से खारिगांव नाका तक का मार्ग भी एकतरफा रहेगा। विसर्जन के बाद खाली वाहनों के लिए अलग वापसी मार्ग

जैसल पार्क चौपाटी पर विसर्जन के बाद खाली वाहनों को कोलीवाड़ा, आरएनपी पार्क और काशी विश्वनाथ मंदिर होते हुए एसवी रोड की ओर भेजा जाएगा। इसके बाद नवघर रोड से नवघर नाका, विमल डेयरी, इंद्रलोक नाका होते हुए वाहन गोल्डन नेस्ट की ओर लौटेंगे। एसवी रोड, नवघर रोड, फाटक रोड तथा विमल डेयरी से इंद्रलोक नाका तक के संबंधित हिस्सों पर भी एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। भायंदर पश्चिम में कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित भायंदर पश्चिम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान से स्टेशन रोड होते हुए भायंदर पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन से खाड़ी, भायंदर पुलिस स्टेशन से फाटक रोड तथा अंबेडकर प्रतिमा तक जाने वाले मार्गों पर निर्धारित समय में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इसके अलावा महाराजा स्वीट्स नाका से 60 फीट रोड होते हुए बॉम्बे मार्केट नाका तथा अहिंसा चौक से संतोष टॉकीज नाका (प्रोग्रेस भवन) तक के मार्गों पर भी यातायात नियंत्रण लागू किया जाएगा। घोड़बंदर-रेतीबंदर विसर्जन मार्ग छत्रपति शिवाजी महाराज चौक क्षेत्र से घोड़बंदर-रेतीबंदर विसर्जन स्थल की ओर जाने वाले वाहनों को जे.पी. बैंक रोड से आगे भेजा जाएगा। अदानी कंपनी पावर हाउस, चिंचादेवी मंदिर, घोड़बंदर रोड, घोड़बंदर कमान, दत्त मंदिर और घोड़बंदर मस्जिद होते हुए वाहन शिवसेना शाखा चौक से रेतीबंदर विसर्जन स्थल की ओर जाएंगे। विसर्जन के बाद वाहनों को रेतीबंदर से घोड़बंदर पुलिस चौकी की ओर लाकर बाएं मुड़ते हुए महादेव मंदिर की दिशा में भेजा जाएगा। घोड़बंदर गांव, दत्त मंदिर नाका, चिंचादेवी चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तथा चिंचादेवी रोड से अदानी कंपनी पावर हाउस और जे.पी. बैंक रोड की दिशा में भी निर्धारित हिस्सों पर एकतरफा यातायात रहेगा। जरीमारी झील विसर्जन स्थल के लिए भी विशेष व्यवस्था काशीमीरा की ओर से जरीमारी झील विसर्जन स्थल जाने वाले वाहनों को नीलकमल नाका से बाएं मुड़कर नीलकमल नाका मस्जिद के रास्ते सीधे विसर्जन स्थल तक भेजा जाएगा।

गणेश नाईक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोईसर में 105 यूनिट रक्तदान

- 170 लोगों की स्वास्थ्य जांच व 35 महिलाओं की हुई नि:शुल्क ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग
- शिवशक्ति सामाजिक संगठना का 35वां महारक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के पालकमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार 13 सितंबर 2026 को बोईसर शहर (पश्चिम) स्थित डॉन बॉस्को स्कूल, खोदाराम बाग में 35वें वर्ष का महारक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिवशक्ति सामाजिक संगठना (पालघर), श्रमिक कामगार संगठना तथा पालघर जिला ऑटो-रिक्शा टैक्सी चालक-मालक संगठना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 105 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया।

शिविर के दौरान करीब 170 लोगों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र जांच की गई, जबकि 35 महिलाओं की निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग की गई। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजन प्रमुख संजय जे. पाटील सहित उपस्थित अतिथियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर पालकमंत्री गणेश नाईक को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी गईं।

शिविर में रक्तदान के अलावा सामान्य स्वास्थ्य जांच, निःशुल्क नेत्र परीक्षण, चश्मों एवं आई ड्रॉप का वितरण किया गया। स्वारोग्या प्योर होम्योपैथी क्लिनिक की डॉ. जान्हवी सं. पाटील ने स्वास्थ्य जांच में सहयोग किया। इसके साथ ही जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड भी वितरित किये गये। आयोजकों ने बताया कि शिवशक्ति सामाजिक संगठना का मूल उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है।

संस्था की ओर से कोविड महामारी सहित विभिन्न कठिन परिस्थितियों में भी आम नागरिकों की सेवा के लिए लगातार कार्य किया गया है। इस महारक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर के आयोजन प्रमुख संजय जे. पाटील ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद और उन्हें हर संभव सहयोग देना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह कारवां भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ता रहे, यही ईश्वर से प्रार्थना है।

मुंबई मार्च के दौरान मुझे गोली मारने की रची जा रही साजिश, मनोज जरांगे पाटील ने लगाए गंभीर आरोप

मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनशन पर बैठे मनोज जरांगे पाटील ने आरोप लगाया है कि मुंबई मार्च के दौरान उन्हें जान से मारने और मार्च के दौरान परेशानी पैदा करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने रविवार को कहा कि मैं मौत स्वीकार कर लूंगा, लेकिन झुकूंगा नहीं। वहीं मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने जरांगे से मुंबई में आंदोलन का निर्णय वापस लेने का अनुरोध किया है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में अनशन के 16वें दिन रविवार को समर्थकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाना बनाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं।मराठा नेता मनोज जरांगे पाटील ने रविवार को कहा कि प्रस्तावित मुंबई मार्च से पहले सरकार के पास इस मुद्दे का समाधान करने के लिए अभी आठ दिन का समय है। इस दौरान देखना होगा कि सरकार उनकी मांगों को मानती है। नहीं जरांगे ने दावा किया कि सत्तारूढ़ दलों से जुड़े लोगों को मार्च में भेजकर मुंबई मार्च के दौरान अव्यवस्था पैदा की जा सकती है और उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। जरांगे ने चेतावनी दी कि उनके समर्थक कुछ मंत्रियों को राजनीतिक रूप से चुनौती दे सकते हैं।

जरांगे ने रविवार को दावा किया कि बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कुछ मराठा विधायक उनके समर्थकों को फोन कर उनसे मार्च में शामिल नहीं होने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मार्च के दौरान मुझे गोली मारने की साजिश है। वे मराठों को नहीं मारना चाहते, बल्कि मुझे निशाना बनाना चाहते हैं।

महाबोधि महाविहार की मुक्ति को लेकर रामदास आठवले और अमित शाह के बीच चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भगवान गौतम बुद्ध को जिस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार विश्वभर के बौद्धों का सर्वोच्च श्रद्धास्थल है। महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई।

देशभर और विश्वभर के बौद्ध समुदाय की मांग है कि महाबोधि महाविहार प्रबंधन ट्रस्ट के चेयरमैन सहित सभी ट्रस्टी बौद्ध धर्मावलंबी होने चाहिए। इसी मांग को लेकर रामदास आठवले के नेतृत्व में बौद्ध भिक्षु संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अमित शाह से मुलाकात की। इस अवसर पर भंते करुणानंद महाथेरो, भंते डॉ. राहुल बोधी महाथेरो, भंते थेरो ज्योति, भंते आनंद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।आठवले ने कहा कि महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्धों के हाथों में होना चाहिए। बौद्ध समुदाय की यह मांग किसी अन्य धर्म के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा के वर्ष 1989 के टेंपल एक्ट में आवश्यक संशोधन किए जाने की जरूरत है, ताकि महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जा सके। उन्होंने अमित शाह से मांग की कि केंद्र सरकार इस मामले में गंभीरता से विचार करे और महाबोधि महाविहार को बौद्धों के प्रबंधन में देने के लिए आवश्यक पहल करे। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस मांग पर उचित निर्णय लेती है तो देशभर के बौद्ध समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और बौद्ध समुदाय में खुशी की लहर दौड़ जाएगी।

बताया गया कि अमित शाह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे महाबोधि महाविहार के प्रबंधन से जुड़े इतिहास और पूरे मामले की जानकारी लेंगे। इसके बाद विषय का अध्ययन कर उचित निर्णय लेने की दिशा में विचार किया जाएगा।

विश्व यादव संघ ने संगठन का विस्तार कर नवी मुंबई व रायगढ़ के पदाधिकारियों की नियुक्ति

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व यादव संघ के संगठन विस्तार एवं नवी मुंबई और रायगढ़ क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन डी.एन. यादव के श्री राधे-कृष्ण मंदिर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता आर.एन. यादव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से डी.एन. यादव को विश्व यादव संघ की केंद्रीय समिति का उपाध्यक्ष, राघवेंद्र यादव को राष्ट्रीय वरिष्ठ सलाहकार तथा नरसिंह यादव को नवी मुंबई विश्व यादव संघ वर-वधू समूह का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में अध्यक्ष आर.एन. यादव ने अपने संबोधन में संगठन की एकता, सामाजिक जिम्मेदारियों तथा समाजहित में मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्व यादव संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल यादव, कार्याध्यक्ष रामझलक यादव, कोषाध्यक्ष रणविजय यादव, सचिव सुरेश यादव, सहायता समिति अध्यक्ष पारसनाथ यादव सहित जितेंद्र यादव, कपिल यादव, नरसिंह यादव और परमा यादव उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

खानविलकर परिवार में गणपति बप्पा के आगमन से भक्तिमय माहौल

संजय मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। ताड़देव रोड स्थित दादरकर कंपाउंड, वैभव एफ विंग में दर्शन रमेश खानविलकर एवं भक्ति दर्शन खानविलकर के निवास पर गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भगवान श्री गणेश की विधि-विधान एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ स्थापना की गई। गणपति बप्पा के आगमन से पूरे परिवार में उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

खानविलकर परिवार द्वारा पिछले कई वर्षों से घर में गणपति बप्पा की स्थापना की जाती है। इस वर्ष भी घर को आकर्षक ढंग से सजाकर पूजा-अर्चना की गई। गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

गणपति बप्पा के दर्शन के लिए रिश्तेदारों, मित्रों, परिचितों एवं शुभचिंतकों के आने का सिलसिला जारी रहा। परिवार के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक पूजा कर बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया और सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

परिवार की ओर से बताया गया कि गणपति बप्पा की स्थापना के बाद नियमित रूप से श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की जाती है तथा दूसरे दिन विधिवत विसर्जन किया जाता है। इस अवसर पर भक्तिभाव के साथ बप्पा को विदाई देकर अगले वर्ष पुनः पधारने की प्रार्थना की जाएगी।

आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में हिंदी दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आर.के. डिग्री कॉलेज, कल्याण के संचालक सुशील पालीवाल ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत करने के बाद हिंदी भाषा के महत्व एवं उपयोगिता पर अपने विचार रखे। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष डॉ. सुजीत सिंह ने की। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के सेवानिवृत्त उपप्रधानाचार्य अब्दुल अजीज अंसारी तथा सलाहुद्दीन अय्यूबी मेमोरियल उर्दू हाई स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक जाकिर हुसैन खान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने अतिथियों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जाकिर हुसैन खान ने भारतीय संविधान में भाषाओं को प्राप्त संवैधानिक दर्जे तथा देश की भाषाई विविधता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषाई विविधता भारत की सांस्कृतिक शक्ति है। विद्यार्थियों को सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। सेवानिवृत्त शिक्षक शिवपूजन पांडेय ने हिंदी के अध्ययन को आगे बढ़ाने, जबकि ओंकारनाथ सिंह ने हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं भाषा के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिंदल हिंदी प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका सविता मनोज सिंह तथा सेवानिवृत्त शिक्षक ओंकारनाथ मंगल प्रसाद सिंह और शिवपूजन डी. पांडेय को सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा 8वीं से 10वीं के विद्यार्थियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें भिवंडी के 12 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। हिंदी भाषा का महत्व, पर्यावरण संरक्षण : आज की आवश्यकता और विकसित भारत : युवाओं की भूमिका विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में बाल विद्या निकेतन हिंदी हाई स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा काजल कृष्ण मोहन साहू ने प्रथम, नदी नाका हिंदी हाई स्कूल की मधु चुन्नू गौतम ने द्वितीय तथा श्री सत्यनारायण माध्यमिक हिंदी विद्यालय की रिमझिम शंकर झा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को डॉ. सुजीत सिंह के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। शारदा हिंदी हाई स्कूल, चाचा नेहरू हिंदी हाई स्कूल और कृष्णा कान्हा चौधरी हिंदी हाई स्कूल को सहभागिता ट्रॉफी दी गई। समापन पर डॉ. सुजीत सिंह ने विद्यार्थियों से हिंदी के अध्ययन के साथ अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन चेयरमैन वी.के. सिंह के मार्गदर्शन में हुआ तथा संचालन सिद्धाराम चौगुले ने किया।

भाजपा के वाणगांव ग्राम पंचायत सदस्य अक्षय धोडी कांग्रेस में शामिल

- कैप्टन सत्यम ठाकुर के नेतृत्व में हुआ पक्ष प्रवेश
- समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के दहानू तहसील अंतर्गत वाणगांव ग्राम पंचायत के निर्वाचित भाजपा सदस्य अक्षय धोडी ने अपने समर्थकों एवं सहयोगियों के साथ भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। वाणगांव स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पक्ष प्रवेश कार्यक्रम में पालघर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन सत्यम ठाकुर के नेतृत्व तथा दहानू तहसील कांग्रेस अध्यक्षा वर्षा वायडा की उपस्थिति में अक्षय धोडी एवं उनके सहयोगियों का कांग्रेस में औपचारिक प्रवेश कराया गया।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद अक्षय धोडी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व और पालघर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन सत्यम ठाकुर की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी द्वारा किये जा रहे प्रयासों से प्रभावित होकर उन्होंने यह राजनीतिक निर्णय लिया है। इस अवसर पर अक्षय धोडी एवं उनके सहयोगियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कैप्टन सत्यम ठाकुर ने कहा कि अक्षय धोडी का कांग्रेस में प्रवेश महज एक व्यक्ति का दल परिवर्तन नहीं, बल्कि यह संकेत है कि युवा शक्ति कांग्रेस की विचारधारा की ओर आकर्षित हो रही है। उन्होंने कहा कि अक्षय धोडी एक युवा और साहसी नेता हैं। सत्ता पक्ष में रहते हुए भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लेना उनके राजनीतिक साहस तथा अपनी विचारधारा के प्रति विश्वास को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा देश के विकास, सामाजिक सद्भाव और समावेशी राजनीति को लेकर रखे जा रहे विचार युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। अक्षय धोडी एवं उनके सहयोगियों के कांग्रेस में शामिल होने से वाणगांव क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस पक्ष प्रवेश के बाद स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अक्षय धोडी के सहयोगी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शादी का इनविटेशन बताकर भेजा APK, मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 1.76 लाख

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के कुरेथू गांव निवासी प्रिंस यादव साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठगों ने शादी का इनविटेशन कार्ड बताकर उनके व्हाट्सऐप पर अढङ फाइल भेजी। फाइल खोलते ही मोबाइल हैक हो गया और उनके बैंक खाते से चार बार में कुल 1,76,805 रुपये निकाल लिए गए।

पीड़ित के अनुसार छह सितंबर को उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सऐप संदेश आया था। संदेश के साथ शादी का निमंत्रण पत्र बताते हुए एक अढङ फाइल भेजी गई थी। फाइल खोलने के बाद मोबाइल पर उनका नियंत्रण प्रभावित हो गया। इसी दौरान अज्ञात साइबर ठगों ने गौराबादशाहपुर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए रकम निकाल ली।

मोबाइल पर रुपये कटने के लगातार संदेश आने के बाद प्रिंस यादव को ठगी की जानकारी हुई। उन्होंने तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। अगले दिन बैंक पहुंचकर खाते की जानकारी लेने पर कई ट्रांजेक्शन के माध्यम से रकम निकाले जाने की पुष्टि हुई।

पीड़ित ने गौराबादशाहपुर थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने साइबर ठगी से संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी केराकत के स्तर से की जा रही है।

रेखा पांडेय की सपा सांसद से मुलाकात ने मड़ियाहूं की सियासत में बढ़ाई हलचल

तस्वीर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज

◆ ब्लॉक प्रमुख पद की संभावित दावेदार के रूप में भी चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र की सियासत में इन दिनों रेखा पांडेय की समाजवादी पार्टी के बलिया सांसद सनातन पांडेय से मुलाकात को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मुलाकात के बाद सामने आई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में इसके संभावित सियासी मायने तलाशे जाने लगे हैं। हालांकि, फिलहाल इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है और इसे सीधे तौर पर राजनीतिक मुलाकात मानना जल्दबाजी होगी।

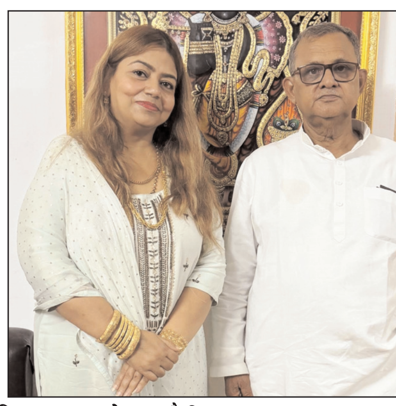

हिमताज परिवार की पुत्रवधू रेखा पांडेय पिछले कुछ समय से क्षेत्र में अपनी सक्रियता को लेकर चर्चा में हैं। राजनीतिक हलकों में उन्हें आगामी समय में ब्लॉक प्रमुख पद की संभावित दावेदार के तौर पर भी देखा जा रहा है। ऐसे में सपा सांसद सनातन पांडेय के साथ उनकी तस्वीर सामने आने के बाद मड़ियाहूं क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया है।

स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठने लगा है कि यह मुलाकात महज शिष्टाचार तक सीमित थी अथवा इसके पीछे भविष्य की कोई राजनीतिक संभावना है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक रेखा पांडेय अथवा समाजवादी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक राजनीतिक बयान सामने नहीं आया है।

इसी बीच राजनीतिक चर्चाओं में यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि आगामी चुनावी रणनीति में सपा ब्राह्मण मतदाताओं और संभावित ब्राह्मण चेहरों को लेकर अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में प्रयास कर सकती है। हालांकि, इन अटकलों की भी फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल तस्वीर और मुलाकात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं जरूर हैं, लेकिन इनके आधार पर किसी राजनीतिक निर्णय या गठजोड़ का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। आने वाले दिनों में रेखा पांडेय की राजनीतिक सक्रियता और उनके अगले कदम से ही तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। मड़ियाहूं की स्थानीय सियासत में इस घटनाक्रम पर राजनीतिक जानकारों और समर्थकों की निगाहें बनी हुई हैं।

एजुकेशन लोन से आसान होगी उच्च शिक्षा की राह

◆ फामेर्सी संस्थान में जागरूकता कार्यशाला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फामेर्सी संस्थान में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध एजुकेशन लोन की सुविधाओं एवं

आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के उद्देश्य से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के सौजन्य से एजुकेशन लोन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया।

कार्यशाला में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को एजुकेशन लोन के लिए आवेदन की प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया तथा शिक्षा के दौरान मिलने वाली वित्तीय सहायता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया।

बैंक प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को लोन से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताओं और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने एजुकेशन लोन से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका बैंक प्रतिनिधियों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया तथा ऋण सुविधा से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय विकल्पों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें अपनी आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक संसाधनों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

इस अवसर पर फामेर्सी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शक्ति जायसवाल, श्री मिथिलेश चौरसिया सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संस्थान की ओर से प्रशांत ओझा एवं उनकी टीम तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा जौनपुर के प्रति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध वित्तीय सुविधाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हमले का आरोप, जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

विनोद कुमार साहनी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे नगीना सांसद, पुलिस पर रोकने व दुर्व्यवहार का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विनोद कुमार साहनी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे नगीना

सांसद एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के साथ कथित दुर्व्यवहार, उनके काफिले को रोके जाने और काफिले पर हमला किए जाने के विरोध में सोमवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि सांसद चंद्रशेखर आजाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे, इसी दौरान जौनपुर पुलिस द्वारा उन्हें रोके जाने और उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप है। साथ ही काफिले पर हमला किए जाने का भी दावा किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में विनोद कुमार साहनी हत्याकांड की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच, सांसद को रोके जाने एवं कथित दुर्व्यवहार की स्वतंत्र जांच तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इसके अलावा काफिले पर हमला करने वालों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग उठाई गई।

पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उन्हें किसी भी प्रकार के दबाव या धमकी से बचाने की भी मांग की गई। साथ ही सांसद चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा, सम्मान और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए ज्ञापन माननीय राज्यपाल महोदय को संबोधित जिला प्रशासन को सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने वालों ने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्राथमिकता: जिलाधिकारी

पीयू में 'छात्रवृत्ति योजना का सफल क्रियान्वयन' विषयक कार्यशाला संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं जिला समाज कल्याण विभाग, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आर्यभट्ट सभागार में 'छात्रवृत्ति योजना का क्रियान्वयन' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शासन की मंशा है कि किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रिया संबंधी कठिनाई के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कार्य में विद्यार्थियों एवं संस्थानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। जिला अधिकारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में जौनपुर छात्रवृत्ति के वितरण में द्वितीय स्थान पर है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत संबोधन में कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने का सशक्त माध्यम हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचे। उन्होंने प्रत्येक शिक्षण संस्थान में ह्यछात्रवृत्ति पटलह्ण स्थापित किए जाने का सुझाव दिया, ताकि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से संबंधित सभी जानकारियां एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम बने।

जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में विभागों एवं शिक्षण

संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ आवेदन एवं सत्यापन प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी एवं महत्वपूर्ण तिथियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यगण, प्रबंधकगण एवं कर्मचारियों के द्वारा छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी उठाए गए, जिनका समाज कल्याण अधिकारी ने समाधान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर हुआ। संचालन सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी, उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा जनपद के माध्यमिक एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत

भैंस को बचाने के चक्कर में गई जान, मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के मलूकपुर गांव में सोमवार को तालाब में डूबने से 68 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मलूकपुर गांव निवासी दयाशंकर सिंह (68) की भैंस तालाब में चली गई थी। भैंस को बाहर निकालने के लिए वह तालाब में उतर गए। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। वृद्ध की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। घटना को लेकर गांव में भी शोक का माहौल है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

बलिया में पानी भरे गड्ढे में मिला सिपाही का शव

बलिया (उत्तरशक्ति)। बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के छाता रेलवे क्रासिंग के समीप सोमवार सुबह पानी भरे गहरे गड्ढे में सिपाही का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बांसडीह कोतवाली में तैनात 2020 बैच के सिपाही पारितोष मिश्र (25) के रूप में हुई। वह प्रयागराज जिले के होलागढ़ थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, पारितोष मिश्र रविवार देर शाम बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के छाता गांव में अपने बैच के साथी सिपाहियों के साथ पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। पार्टी खत्म होने के बाद वह बाइक से वहां से निकले। इसी दौरान छाता रेलवे क्रासिंग के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे गड्ढे में जा गिरी। गड्ढे में पानी भरा होने के कारण पारितोष बाइक समेत उसमें डूब गए। काफी देर तक पारितोष के वापस नहीं लौटने पर उनके साथियों को चिंता हुई। उन्होंने उनकी तलाश शुरू की। मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद साथी पुलिसकर्मियों ने रातभर आसपास के इलाके में खोजबीन की। बावजूद इसके पारितोष का कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह छाता क्रासिंग के समीप पानी भरे गड्ढे में पुलिसकर्मियों ने तलाश की तो वहां पारितोष का शव और बाइक बरामद हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से घटना की जानकारी ली। साथ ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। उधर, साथी सिपाही की मौत की खबर से पुलिसकर्मी गमगीन नजर आए। महकमे में पारितोष के सहकर्मियों और परिचितों के बीच शोक का माहौल है।

एडीजी वाराणसी जोन ने जौनपुर में की जनसुनवाई, अधिकारियों के साथ की कानून-व्यवस्था की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी नवीन अरोरा ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा प्राप्त प्रार्थना-पत्रों के शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई के बाद एडीजी ने पुलिस कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद की कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में लंबित विवेचनाओं, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध, यातायात व्यवस्था तथा जनशिकायतों के निस्तारण सहित विभिन्न पुलिसिंग बिंदुओं पर चर्चा की गई।

एडीजी ने अधिकारियों को अपराध और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानों पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाए और उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आमजन में सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास की भावना को और मजबूत करने पर जोर दिया। इसके बाद अपर पुलिस महानिदेशक ने पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न शाखाओं का जायजा लेते हुए अभिलेखों, पत्रावलियों और कार्यालय की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस दौरान अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, कार्यालय परिसर की साफ-सफाई तथा विभागीय कार्यों के समयबद्ध निस्तारण को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

लापरवाही पर एसएसपी का हंटर, 10 पुलिसकर्मी निलंबित

सरायख्वाजा के 6 और लाइनबाजार के 4 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, चार दरोगा भी शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली में लापरवाही और अनुशासनहीनता पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने रविवार को सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा एक्शन लिया। कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अपराधियों की निगरानी में अपेक्षित सतर्कता न बरतने के मामले में चार उपनिरीक्षकों समेत 10 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। एक साथ दो थानों के पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

एसएसपी की कार्रवाई में थाना सरायख्वाजा के छह और थाना लाइनबाजार के चार पुलिसकर्मी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार संबंधित पुलिसकर्मियों द्वारा सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरती गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की।

सरायख्वाजा में छह पर कार्रवाई: थाना सरायख्वाजा में तैनात उपनिरीक्षक गोविन्द मौर्या, उपनिरीक्षक खलीकुज्जमा, मुख्य आरक्षी मनोज गोंड, मुख्य आरक्षी शशि प्रकाश सिंह, मुख्य आरक्षी धनन्जय यादव और आरक्षी अक्षय कुमार को निलंबित किया गया है। इन पर कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और अपराधियों की निगरानी में लापरवाही के चलते कार्रवाई की गई।

लाइनबाजार के चार पुलिसकर्मी भी नपे: थाना लाइनबाजार में तैनात उपनिरीक्षक रामभरोसराम, उपनिरीक्षक धन्जी चौधरी, मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार सिंह और आरक्षी विश्वास यादव को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

पुलिसकर्मियों में खलबली: एसएसपी की एक साथ 10 पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई को पुलिस महकमे में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर कड़ा संदेश माना जा रहा है। कार्रवाई के बाद लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों में खलबली मची है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ड्यूटी के निर्वहन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

910 मतों के प्रचंड समर्थन से अमित तिवारी एडवोकेट विजयी

दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के कार्यकारिणी सदस्य पद पर दर्ज की शानदार जीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ, जौनपुर के कार्यकारिणी सदस्य पद के चुनाव में अमित तिवारी एडवोकेट ने 910 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। साथी अधिवक्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जीत के बाद अमित तिवारी एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा दिए गए 910 मतों का समर्थन उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय वरिष्ठ अधिवक्ताओं, गुरुजनों तथा सभी अधिवक्ता बंधुओं एवं बहनों के स्नेह, विश्वास, सहयोग और आशीर्वाद को दिया।

उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि अधिवक्ता समाज के विश्वास, एकता और सामूहिक समर्थन की जीत है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप

में अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और उनके हितों एवं अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज बुलंद करना उनकी प्राथमिकता होगी।

अमित तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान, हितों और एकता को मजबूत करने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किया जाएगा। चुनाव के दौरान जिन अधिवक्ताओं ने उन पर विश्वास जताया है, उस विश्वास को अपने कार्यों के माध्यम से कायम रखने का प्रयास करेंगे।

अमित तिवारी एडवोकेट संदहाँ, मानीकलां, शाहगंज, जौनपुर के निवासी हैं। उनकी जीत के बाद क्षेत्र और अधिवक्ता समाज में बधाइयों का सिलसिला जारी है। समर्थक अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई कि वह कार्यकारिणी में अधिवक्ता हितों की प्रभावी और मजबूत आवाज बनेंगे।

जितेंद्र कनौजिया बने राष्ट्रीय रजक महासंघ के केराकत नगर उपाध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चौकियां धाम स्थित कन्नौजिया धर्मशाला में राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत के तत्वावधान में आयोजित जौनपुर जनपद इकाई की बैठक में मोहल्ला नरहन केराकत निवासी जितेंद्र कनौजिया को केराकत नगर उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अनिल कुमार कनौजिया एडवोकेट, राम भवन कनौजिया उर्फ विशाल जिला मीडिया प्रभारी, केराकत अध्यक्ष अरुण कुमार कनौजिया, केराकत नगर अध्यक्ष रवि कुमार कनौजिया सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

नवनियुक्त नगर उपाध्यक्ष जितेंद्र कनौजिया ने महासंघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह मिले दायित्व का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए समाज को संगठित करने तथा घर-घर महासंघ के विचारों को पहुंचाने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उन्हें बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और संत गाडगे बाबा के विचारों से प्रेरणा लेकर समाजसेवा करने का अवसर देती है।

शासन ने किया 121 एबीएसए का स्थानांतरण

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग में तबादलों का दौर जारी है। शासन ने प्रदेश में 121 खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) के साथ ही विभागीय कार्यालयों में कार्यरत बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सहायकों के स्थानांतरण किए हैं। स्थानांतरण आदेश के तहत कार्मिकों को वर्तमान कार्यालय/जनपद से हटाकर नए कार्यालय एवं जनपद में तैनाती दी गई है।

बेसिक शिक्षा विभाग के शासनादेश के अनुसार, यह कार्रवाई वर्ष 2026-27 की वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर की गई है। शासन ने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के स्थानांतरण का निर्णय लेते हुए नई तैनाती वाले कार्यालयों में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। 11 सितंबर 2026 को जारी आदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लिपिकीय संवर्ग के कार्मिकों को भी इधर से उधर किया गया है। आदेश में वर्तमान तैनाती वाले कार्यालय/जनपद और नवीन तैनाती वाले कार्यालय/जनपद का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। शाहिद अली का स्थानांतरण संयुक्त शिक्षा निदेशक, मीरजापुर के पद/कार्यालय पर किया गया है, जबकि अन्य कर्मचारियों को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों एवं राजकीय संस्थानों में नई तैनाती दी गई है। विभागीय स्तर पर हुए इन तबादलों से आने वाले दिनों में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यालयों में प्रशासनिक कामकाज में भी बदलाव देखने को मिलेगा।

युवा अधिवक्ता प्रशांत उपाध्याय चुने गये कार्यकारिणी सदस्य, तमाम अधिवक्ताओं, शुभचिन्तकों एवं परिजनों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ जौनपुर के सम्पन्न हुये चुनाव में युवा अधिवक्ता प्रशान्त उपाध्याय सदस्य कार्यकारिणी पद पर पर विजयी घोषित हुये। इसके बाद चुनाव अधिकारी ने श्री उपाध्याय को प्रमाण पत्र दिया। इस पर उपस्थित लोगों ने प्रशांत जी को बधाई देते हुये उनके उज्वल भविष्य की कामना किया। वहीं दीवानी न्यायालय के कार्यकाल में प्रथम ही प्रयास में चुनाव जीतने वाले श्री उपाध्याय ने कहा कि संघ की पवित्रता को देखाते हुये दिशा निर्देश का अक्षरशः पालन किया जायेगा। वहीं जानकारी होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिवेणी नारायण दुबे, तेज बहादुर सिंह, राकेश सिंह, सौरभ सिंह, शशांक दुबे, शशांक सिंह, बृजभूषण शुक्ला, राहुल यादव, रोहित यादव, अर्शी जी, वरिष्ठ पत्रकार अजय पाण्डेय, रामजी जायसवाल, चन्द्र प्रकाश तिवारी सहित तमाम लोगों ने प्रशांत जी को बधाई दिया।

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के पदक विजेता विवेक कुमार गुप्ता एवं नेहा रानी सम्मानित

पटना। राष्ट्रीय स्तर पर पावरलिफ्टिंग में बिहार का नाम रोशन करने वाले नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 के पदक विजेता विवेक कुमार गुप्ता एवं नेहा रानी को सम्मानित किया गया। गाजीपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित 52वीं पुरुष सीनियर नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में विवेक कुमार गुप्ता ने 74 किलोग्राम वर्ग में कुल 697.5 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, 44वीं महिला सीनियर नेशनल इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में नेहा रानी ने 83 किलोग्राम वर्ग में 477.5 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों को विधायक एवं विधानसभा के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया ने दुशाला एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मान समारोह में बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के महासचिव अशोक मेहता और बिहार राज्य पावरलिफ्टिंग संघ, पटना के अध्यक्ष राजीव भार्गव उपस्थित रहे। संघ की ओर से दोनों खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन महिलाओं की मौत

संभल (उत्तरशक्ति)। संभल के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन महिलाओं की मौत जबकि 15 लोग घायल हो गए। हादसा गांव फतेहउल्ला गंज के पास हुआ। ट्रैक्टर का एक्सल टूटने के बाद ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। ट्रॉली में 20 से अधिक लोग सवार थे। सभी मैनाठेर क्षेत्र में एक रिश्तेदार के यहां गमी में शामिल होने जा रहे थे। असमोली थाना क्षेत्र के गांव पेतीयां माफी निवासी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर मैनाठेर जा रहे थे। फतेहउल्ला गंज के नजदीक अचानक ट्रैक्टर का एक्सल टूट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई।

ए-300 बससेवा का जनता नगर तक विस्तार, किरण जाधव की मांग पर बेस्ट प्रशासन ने लिया संज्ञान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पोईसर परिसर के नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए बेस्ट प्रशासन ने ए-300 बस मार्ग का जनता नगर तक विस्तार करने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के शाखाध्यक्ष किरण अशोक जाधव ने 20 अगस्त को बेस्ट प्रशासन को पत्र देकर कांदिवली बस स्थानक (पूर्व) से संस्कृती अपार्टमेंट्स तक चलने वाली बस क्रमांक 300 का मार्ग सुरभी संकुल से आगे जनता नगर तक बढ़ाने की मांग की थी। जाधव की मांग को ध्यान में रखते हुए अब शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 से ए-300 बस का मार्ग संस्कृती अपार्टमेंट से आगे जनता नगर तक बढ़ाया जाएगा। इस संबंध में बेस्ट प्रशासन द्वारा मार्ग विस्तार की जानकारी दी गई है। नए मार्ग के अनुसार ए-300 बस कांदिवली स्टेशन से संस्कृती अपार्टमेंट, वहां से जनता नगर और आगे पूर्ववत कांदिवली स्टेशन तक यात्रा करेगी। इससे पोईसर और जनता नगर परिसर के नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और कामगारों को बड़ी राहत मिलेगी। किरण जाधव ने कहा कि पोईसर परिसर के नागरिकों को ए-300 बस का सीधा लाभ मिले, इसी उद्देश्य से बेस्ट प्रशासन से मांग की गई थी। मांग को स्वीकार करते हुए जनता नगर तक बस सेवा का विस्तार किया गया है। इससे नागरिकों को पैदल चलने की दूरी कम होगी और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ेगी।

वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार अशोक भाटिया मुंबई स्थित अंधेरी में अपने दामाद गिरीश भगनारी के घर में विराजमान गणपतिबप्पा का परिवार सहित दर्शन करते हुए। छाया: उत्तरशक्ति

कैलाश पिल्लई, गणेश, सुरेंद्रन और ओंकार के साथ, दादर से सावंतवाड़ी तक 'मोदी एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान नितेश राणे साहब (बंदरगाह और मत्स्य पालन मंत्री) से मुलाकात की। छायाचित्र: उत्तरशक्ति

गणेश चतुर्थी पर मिली गणेश प्रतिमा को माना शुभ संकेत, सम्मानपूर्वक किया अंगीकार

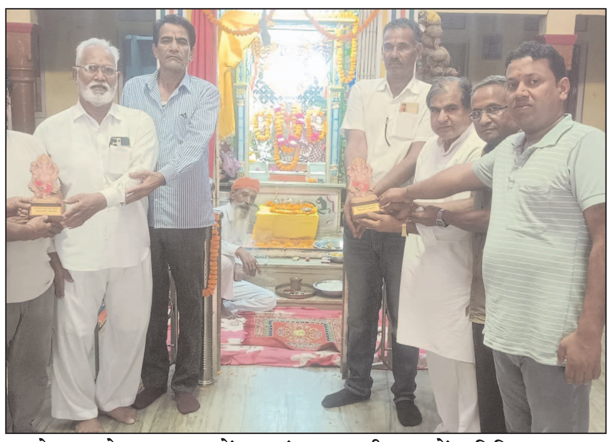

चिराना। प्रसिद्ध तीर्थस्थल लोहार्गल के मुख्य मार्ग पर स्थित गणेश मंदिर परिसर में सोमवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर प्रगतिशील कुमावत समिति की ओर से विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रथम पूज्य भगवान गणेश का विधि-विधान से पूजन कर गुड़धानी का भोग लगाया गया तथा क्षेत्रवासियों एवं समाज की सुख-समृद्धि और मंगलमय भविष्य की कामना की गई।

समिति के संरक्षक डॉ. राजेंद्र कुमावत एवं अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति की उपस्थिति में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सभी के लिए मंगल कामना की गई।

कार्यक्रम के दौरान समिति की ओर से लोहार्गल मेले में सहयोग करने वाले भामाशाहों एवं कार्यकर्ताओं के सम्मान-सत्कार की परंपरा को आगे बढ़ाया गया। पूर्व में सम्मान से वंचित रह गए सहयोगियों का गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर सम्मान किया गया।

इसी क्रम में समिति द्वारा प्रदान किए गए सम्मान को डॉ. राजेंद्र कुमावत, लोकतंत्र सेनानी सोनाराम कुमावत एवं अध्यापक संतोष कुमावत ने सम्मानपूर्वक अंगीकार किया। इस अवसर पर प्राप्त भगवान गणेश के मोमेंटो को उन्होंने शुभ संकेत एवं मंगलकारी स्मृति बताते हुए समिति का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रजापति धर्मशाला अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल,मूलचंद फौजी, हरिप्रसाद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल,प्रभुदयाल किरोड़ीवाल (महाराज) ग्यारसीदेवी सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समिति के सचिव अमोलक पारमुवाल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया।

धार्मिक आस्था, सामाजिक सम्मान और सेवा भावना से ओतप्रोत इस आयोजन ने गणेश चतुर्थी के पर्व को और भी यादगार बना दिया।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च की नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज

पटना। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने आधुनिक आउटडोर स्पेस की खूबसूरती और उपयोगिता बढ़ाने के लिए अपनी नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज लॉन्च की है। यह रेंज स्टाइलिश डिजाइन, टिकाऊपन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। रेंज में वॉलस्माइल हालो (5वाट), प्रिज्म (4वाट), नेक्सो (5वाट) और लीनिया (6वाट) शामिल हैं। इन्हें बालकनी, पोर्च, पूलसाइड, लॉबी और पार्किंग एरिया जैसे विभिन्न आउटडोर स्पेस के लिए उपयुक्त बनाया गया है। यह रेंज एक साल की वारंटी के साथ आती है। लॉन्च पर क्रॉम्पटन के लाइटिंग, सोलर रूफटॉप एवं वायर्स बिजनेस यूनिट के हेड शालीन नायक ने कहा, वॉलस्माइल रेंज के साथ हमारा उद्देश्य आधुनिक डिजाइन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को एक साथ लाना है, ताकि उपभोक्ता अपने आउटडोर स्पेस को बेहतर माहौल और आकर्षक रूप दे सकें। वॉलस्माइल रेंज देशभर में क्रॉम्पटन के अधिकृत रिटेल आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगी।

संस्कृत शिक्षा का प्रकाश फैलाने वाले राज नारायण मिश्र को दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर। जनपद के महाराजगंज क्षेत्र के कोल गांव में प्रख्यात व्याकरणाचार्य एवं श्री उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के संस्थापक पं. राज नारायण मिश्र की त्रयोदशी के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी पहुंचे। उन्होंने पं. राज नारायण मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि पं. राज नारायण मिश्र के निधन से समाज ने एक बड़े विद्वान, कर्मठ संस्थापक और व्याकरण के प्रकांड ज्ञाता को खो दिया है। उनका योगदान शिक्षा और संस्कृत के क्षेत्र में सदैव स्मरणीय रहेगा।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने ब्राह्मण समाज की वर्तमान स्थिति पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि आज ब्राह्मणों के आंसू पोछने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यूजीसी तथा आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी बात रखी और समाज की समस्याओं को गंभीरता से उठाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय एवं जौनपुर जिला अध्यक्ष रत्नाकर चौबे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिले के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, पूर्व न्यायाधीश शशिकांत पांडेय, पूर्व लोक सेवा आयोग सदस्य प्रो. आर.एन. त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता पं.अमर नाथ पाण्डेय, अजय त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, प्रबंधक, हरिश्चंद्र द्विवेदी, संजय सिंह, रविंद्र मिश्र, माताफेर मिश्रा सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी ने मनाया हिंदी दिवस

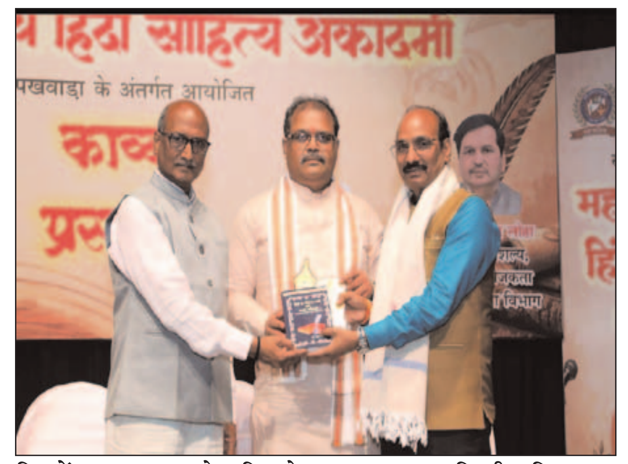

मुंबई। हिंदी के प्रचार-प्रसार में अनवरत समर्पित महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी ने हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर रवीन्द्र नाथ टैगोर सभागार प्रभा देवी मुंबई में धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हिंदी सेवी, साहित्यकार, पत्रकार व समाजसेवी उपस्थित हुए। अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष डॉ शीतला प्रसाद दूबे ने लोगों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अकादमी द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय उपक्रमों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि, अभियान संस्था के प्रमुख व पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्र बताया कि हिंदी भाषी राज्यों के अलावा अहिंदी भाषी राज्यों में जहां हिंदी का सर्वाधिक प्रचार-प्रसार हो रहा है वह महाराष्ट्र राज्य है। इस अवसर पर डॉ अजीत राय के संचालन में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। उनकी महाराष्ट्र पर रचित ' महाराष्ट्र है हमारा' कविता ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नागपुर से पधारी वीर रस की कवयित्री सुश्री श्रृद्धा शौर्य ने अपनी कविताओं से लोगों में जोश भर दिया उनका राम पर लिखी कविता खूब सराही गई। इस अवसर पर कवि राम सिंह, कवि अरुण दूबे, डाक्टर ऊषा दूबे, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडेय, समाजसेवी संतोष दीक्षित, विष्णुजीत पांडेय, राकेश सिंह, दिनेश वर्मा, बालगोविंद तिवारी, गजानन महातपुरकर,आर के सर सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तीन दिन में जिले की सभी चिन्हित सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की सड़कों के गड्ढामुक्तिकरण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने वर्षा के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दुरुस्त कर आवागमन योग्य बनाने के सख्त निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन दिवस के भीतर वर्तमान में चिन्हित सभी गड्ढों को भरकर सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही या शिथिलता मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सड़क मरम्मत के दौरान आमजन को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यकता के अनुसार रात्रि में भी गड्ढामुक्तिकरण का कार्य कराया जाए। मारुति सुजुकी शोरूम के सामने क्षतिग्रस्त सड़क को तत्काल ठीक कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारी को दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों से उनके क्षेत्रों में आने वाली सड़कों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों को तत्काल मोटरेबल कराने के निर्देश दिए।

साथ ही नगर क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा, जिससे रात में आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर सड़क की स्थिति, मरम्मत कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद की यातायात व्यवस्था एवं प्रमुख मार्गों की स्थिति की भी गंभीरता से समीक्षा की और यातायात के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, अपर जिलाधिकारी (भू./रा.) अजय अम्बष्ठ, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानन्द झा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, एनएचएआई के अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एआई समझ रहा हिंदी, कर रहा संवाद और अनुवाद : प्रो. अविनाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में हिंदी भाषा की वर्तमान प्रासंगिकता तथा डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रभाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी हिंदी भाषा को समझ रहा है और हिंदी में संवाद, अनुवाद, लेखन, आवाज की पहचान और जवाब देने में भी सक्षम है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, संवेदना और सामाजिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्रा ने कहा कि जनसंचार के विस्तार ने हिंदी पत्रकारिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आज हिंदी का पाठक वर्ग केवल अखबार तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय है। विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी को आम आदमी से जोड़ने में हिंदी बड़ी भूमिका निभा रही है. आज राष्ट्रीय शिक्षा निति के अंतर्गत विज्ञान कि बहुत सारी सामग्री हिंदी में तैयार हुई है। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हिंदी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का काम किया है। लेकिन भाषा का विस्तार तभी सार्थक है जब उसके साथ पत्रकारिता की विश्वसनीयता, तथ्य-जांच और सामाजिक जिम्मेदारी भी मजबूत हो। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को हिंदी की समृद्ध शब्द-संपदा के साथ नई मीडिया तकनीकों में भी दक्ष होना होगा। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने संचालन किया. इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने किया गुलरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग का लोकार्पण

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव स्थित गुलरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कराए गए इंटरलाकिंग कार्य का लोकार्पण सोमवार को विधायक रमेश मिश्रा ने किया। पंडित काली प्रसाद पाण्डेय व विजय शंकर पाण्डेय ने वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सनातन धर्म को सर्वोपरि मानती है। सनातनियों की आस्था सीधे ईश्वर से जुड़ी है, इसलिए मंदिर उनके श्रद्धा और विश्वास के प्रमुख केंद्र हैं। विधायक ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बड़ी संख्या में मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया है। अब गांव, शहर और मजरे के मंदिरों के साथ उनके परिसर भी भव्य स्वरूप में नजर आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अपने साढ़े नौ वर्ष के कार्यकाल में करोड़ों रुपये खर्च कर क्षेत्र के दर्जनों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया है। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा क्षेत्र का ऐसा कोई मजरा नहीं बचा है, जहां मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के निराकरण का कार्य न कराया गया हो। सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, परिवहन, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में विकास कार्य कराए गए हैं। विधायक ने कहा कि जो काम 70 वर्षों में नहीं हो सका, उसे दो पंचवर्षीय से कम समय में पूरा कराने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ श्रीपाल पाण्डेय व राम आनंद पाण्डेय ने की।इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ हर्षू पाठक, आर एस दुबे सेंट्रल एकेडमी स्कूल के संचालक सुभाष दुबे, पूर्व जिला मंत्री अवधेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष लवकुश सिंह, मंडल अध्यक्ष शनि शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुभाष चंद्र पाण्डेय तथा प्रधान अवधेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में कैलाश नाथ पाण्डेय सरपंच, समाजसेवी अमित सिंह, पूर्व प्रधान दिलीप गुप्ता, सुशील कुमार तिवारी, संतोष दुबे, मदन पाठक, जोगेंद्र पांडे, अंबुज तिवारी, अखिलेश पांडे, हरिश्चंद्र पांडे, विकास सिंह, विनय सिंह, मुरारी मिश्रा, मृदुल पाण्डेय बब्लू, लालमनि नाविक, हरिश्चंद्र नाविक, विनोद नाविक, संजय यादव, सूबेदार यादव, देवी यादव, जिलाजीत यादव, रामसांवर नाविक बुड़ई, मुरली यादव, प्रवेश पांडे, राजन पांडे, राहुल पांडे, नवीन पांडे आदि मौजूद रहे।

जौनपुरः बदलापुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में वांछित आरोपी को बदलापुर पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराध एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन, क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष बदलापुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को उसरा बाजार के कलिंजरा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक गौतम पुत्र भारत गौतम निवासी ऊदपुर घाटमपुर, थाना बदलापुर, जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ थाना बदलापुर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 446/26, धारा 74, 352, 351(3) और 108 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार गौतम और रिजर्व आरक्षी मुकेश चौरसिया शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया।

आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित हुए अमरकांत यादव

-रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। डॉ. आंबेडकर भवन ट्रस्ट एवं बुद्ध विहार, वरली, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आदर्श शिक्षक पुरस्कार वितरण समारोह-2026 में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अमरकांत यादव सर को आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में महाराष्ट्र विधानसभा के उपसभापति सचिन अहिरे के हाथों अमरकांत यादव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंच पर सारिका टीचर सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। पुरस्कार प्रदान किए जाने पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। अमरकांत यादव को मिले इस सम्मान से उनके विद्यालय एवं ट्रस्ट परिवार में हर्ष का माहौल है। उपस्थित गणमान्यजनों ने उन्हें बधाई देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान की सराहना की।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन
डॉ0 सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर 9451610571, 7380850571